भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1574
उत्तर देने की तारीख 31 जुलाई, 2024

5G तकनीक का कार्यान्वयन

†**1574. श्री सप्तगिरी शंकर उलाकाः**
श्री एंटो एन्टोनीः
श्री बैन्नी बेहननः
श्री के. सुधाकरनः
श्री हरीश चंद्र मीनाः

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अक्तूबर, 2022 में इसके लागू होने के बाद से भारत में 5जी प्रौद्योगिकी को अपनाने की तिमाही दर का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने 5जी अवसंरचना के निर्माण और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए कोई पहल की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने 5जी प्रौद्योगिकी को व्यापक रूप से अपनाने के लिए उपभोक्ताओं के लिए नए उपयोग के मामलों को विकसित करने और तैनात करने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) किसी प्रौद्योगिकी की अपनाने की दर का आकलन उसके यूजर बेस और स्थापित अवसंरचना के वृद्धि के माध्यम से किया जा सकता है। तदनुसार 5जी सेवाओं के डेटा प्रयोक्ताओं और स्थापित 5जी बेस ट्रांसीवर स्टेशनों (बीटीएस) की संचयी तिमाही-वार वृद्धि अनुबंध-I में दी गई है।

(ख) और (ग) सरकार ने 5जी सेवाओं के प्रसार के लिए कई पहल की हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

i. नीलामी के माध्यम से मोबाइल सेवाओं के लिए पर्याप्त स्पेक्ट्रम आवंटन।

ii. मौजूदा आवेदन आमंत्रण सूचना (एनआईए) की निबंधन और शर्तों और समय-समय पर जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार स्पेक्ट्रम शेयरिंग, ट्रेडिंग और सरेंडर की अनुमति दी गई है।

iii. एसएसीएफए (रेडियो फ्रीक्वेंसी आवंटन संबंधी स्थायी सलाहकार समिति) क्लीयरेंस की प्रक्रिया का सरलीकरण।

iv. मार्ग का अधिकार (आरओडब्ल्यू) नियमावली अधिसूचित करने और पीएम गतिशिक्ति संचार पोर्टल लॉन्च करने से आरओडब्ल्यू अनुमतियों को सुव्यवस्थित बनाया गया है और दूरसंचार अवसरंचना की संस्थापना के लिए क्लीयरेंस प्रक्रिया में तेजी आई है।

v. स्मॉल सेलों और टेलीग्राफ लाइन की संस्थापना के लिए स्ट्रीट फर्नीचर के उपयोग के लिए आवेदन और समयबद्ध अनुमति के लिए आरओडब्ल्यू नियमावली में प्रावधान किया गया है।

उपर्युक्त नीतिगत उपायों के अलावा सरकार ने अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) को बढ़ावा देने के साथ-साथ 5जी प्रौद्योगिकी को व्यापक रूप से अपनाने के लिए नए यूज केस विकसित करने और लागू करने के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:-

- स्वदेशी 5जी टेस्ट बेड :- स्वदेशी 5जी टेस्ट बेड को स्टार्ट-अपों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) सहित विभिन्न संगठनों द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है।
- 5जी यूज केस प्रयोगशालाएं :- विभिन्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में 5जी एप्लीकेशनों के विकास और प्रयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के उच्च शिक्षण संस्थानों में एक सौ 5जी यूज केस प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए कदम उठाए गए हैं।
- स्वदेशी 5जी प्रौद्योगिकी :- सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी-डॉट), भारत सरकार का दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र, ने स्वदेशी रूप से 4जी टेक्नोलॉजी बनाया है जिसे वर्तमान में बीएसएनएल नेटवर्क में तैनात किया जा रहा है। 5जी नॉन-स्टैंडअलोन (एनएसए) कन्वर्ज्ड कोर (सपोर्टिंग 4जी/5जी डेटा/वॉयस) भी सी-डॉट द्वारा विकसित किया गया है और यह स्थापित किए जाने के लिए तैयार है। इसके अलावा सी-डॉट के द्वारा ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क (ओआरएएन) अनुरूप 5जी उपकरण भी विकसित किया जा रहा है।

अनुबंध-I

लोक सभा के दिनांक 31.07.2024 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1574 के संदर्भ में उल्लिखित अनुबंध।

5जी सेवाओं के डेटा प्रयोक्ताओं और स्थापित 5जी बेस ट्रांसीवर स्टेशनों (बीटीएस) की तिमाही-वार संख्या:

तिमाही समाप्ति	5जी सेवाओं के डेटा प्रयोक्ताओं की संख्या (करोड़ में)	देश में स्थापित 5जी बीटीएस की संख्या
दिनांक 30.04.2023 तक	5.9	175006
तिमाही समाप्ति जून-23	7.6	274174
तिमाही समाप्ति सितंबर-23	9.9	365655
तिमाही समाप्ति दिसंबर-23	13.1	412214
तिमाही समाप्ति मार्च-24	15.8	435720
दिनांक 31.05.2024 तक	17.9	446000

*****